दैनिक भास्कर
सप्ताह की शुरुआत पॉजिटिव सोच के साथ
उज्जैन | सोमवार, 29 मई, 2023 | ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष-9, 2080 | वर्ष 18, अंक 126, नगर | कुल पेज 14, मूल्य ₹ 5.00

गांव डाबरी से एक साल पहले लापता हुआ कमल, मुंबई की संस्था ने इलाज किया

बच्चे ने जैसे ही गांव का नाम बताया लोकेशन ट्रेस कर गांव लेकर पहुंचे

भास्कर संवाददाता | नागदा

गांव डाबरी से एक साल पहले कमल गुर्जर घर से लापता हो गया था। परिजनों ने काफी तलाश की, मन्नतें मांगी। बिरलाग्राम और मंडी पुलिस में भी गुमशुदगी दर्ज कराई। उसके बाद भी उसका कोई पता नहीं मिला। शुक्रवार को मुंबई की श्रद्धा रिहेबिलिटेशन फाउंडेशन उसे लेकर गांव पहुंची तो परिजन और ग्रामीण खुश हो गए। बेटे कमल के सकुशल लौटने पर उसका स्वागत किया और संस्था का आभार भी माना।

सरपंच नीलेश गुर्जर ने बताया कि कमल की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। वह अचानक घर से लापता हो गया था। काफी खोजबीन के बाद भी नहीं मिला तो परिजन आस खो बैठे थे। सामाजिक संगठन श्रद्धा रिहेबिलिटेशन फाउंडेशन मुंबई सड़कों पर घूमने वाले मानसिक बीमारों के लिए कार्य करती है। संस्था के राजेश कुमावत ने बताया कमल को एक अन्य स्वयं सेवी संस्था ने उनके सुपुर्द किया था, जिसके बाद से ही उसका इलाज शुरू कर दिया था। धीरे-धीरे याददाश्त वापस आने लगी तो कमल ने घर जाने की इच्छा जताई। उसने गांव डाबरी का नाम लिया, वैसे ही संस्था ने गूगल पर गांव को तलाशा, उज्जैन के समीप नागदा की लोकेशन मिली। इसके आधार पर उसे लेकर संस्था के पदाधिकारी गांव डाबरी पहुंचे। कमल को पाकर उसके परिजनों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। राजेश ने बताया संस्था द्वारा कमल को आने वाले एक वर्ष तक की दवाइयां निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। संस्था वर्ष 1991 से संचालित है, अभी तक रास्ता भटकने वाले 7 हजार से अधिक मनोरोगियों को उनके घरों तक पहुंचा चुकी है।

ग्रामीणों के साथ कमल व परिजन ।